

#### Cleaner Air, Better Life - Crop Residue Management Initiative

### सीआईआई ने पराली न जलाने से 80 हजार एकड़ भूमि बचाई

नाभा। सीआईआई ने किसानों की मदद कर पंजाब और हरियाणा के 102 गांवों में पराली को न जलाने का एक अभियान चला कर उन्हें इसके अन्य विकल्प प्रदान के प्रति जागरुक किया है। इस जारी अभियान के चलते सीआईआई अपने साथ बीस हजार किसानों को जोड चुका है और एक लाख एकड भूमि को पराली जलाये जाने से मुक्त करने के प्रयास में जुटा हुआ है। सीआईआई का लगातार यह दूसरा वर्ष तक चलाया जा रहा अभियान है

और 80 फीसदी किसान ने अपने खेतों को पराली न जलाने से मक्त कर दिया है। इस दिशा में प्रयासरत सीआईआई फाउडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर कलदीप सेंगर ने बताया कि सीआईआई ने किसानों के समुहों के साथ मिलकर काम किया है और उन्हें 350 इन साईटू मशीनें प्रदान की है जिसमें 100 गांवों को हैप्पी सीडर, जीरो टिल, मूलचर आदि दी गई हैं। यह मशीनें छोटे किसानों को मामुली किराये पर प्रदान की गई

#### CII STARTS FARM FIRES FREE CAMPAIGN IN PATIALA

Patiala: Over 88 villages in Punjab this year went stubble burning free after farmers adopted an alternative technology to stubble burning, a project which was implemented by the Confederation of Indian Industry (CII) Foundation as a part of its CSR initiative. Of the total villages, 56 were from Patiala-Nabha belt only. Many leading companies, such as BPCL, Birlasoft, ONGC, Royal Enfield, CLP India, PTC India, Cummins, ReNew Power and industry body, Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM) have contributed in the CII initiative through CSR and employee engagement, said an official spokesman.

## (ਅਕਾਨੀ ਪੱਤ੍ਰਕਾ) ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਦੇ ਨਾਲ ਸੀਆਈਆਈ ਭੂਮੀ ਬਚਾਉਣ ਨੂੰ ਪਰਿਆਸਰਤ



ਸੀਆਈਆਈ ਫਾਉਂਡੇਸ਼ਨ ਨੇ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰਾਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ 102 ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਨਾ ਜਲਾਉਣ ਦਾ ਇਕ ਅਭਿਆਨ ਚਲਾ ਕੇ ਉਨਾਂ ਨੂੰ ਇਸਦਾ ਹੋਰ ਵਿਕਲਪ ਪਦਾਨ ਕਰ ਜਾਗਰਕਤਾ ਪੈਦਾ ਕੀਤੀ ਹੈ ਨਾਭਾ ਦੇ ਢਿੰਗੀ ਪਿੰਡ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਸੀਆਈਆਈ ਅਪਣੇ ਨਾਲ ਵੀਹ ਹਜਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜੋੜ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਕ ਲੱਖ ਏਕੜ ਭੂਮਿ ਨੂੰ ਪੂਰਾਲੀ ਜਲਾਏ ਜਾਣ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕਰਣ ਦੇ ਪਰਿਆਸ ਵਿਚ ਜਟਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ ਸੀਆਈਆਈ ਦਾ ਇਹ ਲਗਾਤਾਰ ਦੂਜੇ ਸਾਲ ਦਾ ਅਭਿਆਨ ਹੈ ਅਤੇ 80 ਫੀਸਦੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਅਪਣੇ ਖੇਤਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਜਲਾਉਣ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ । ਸੀਆਈਆਈ ਨੇ ਇਸ ਅਭਿਆਨ ਹੇਠ ਵੱਖ ਵੱਖ ਹਕਿਮਾ ਅਤੇ ਹਲਵਾਰਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ।

ਸਰਕਾਰੀ ਸੰਗਠਨਾਂ, ਕਾਰਪੋਰੇਟ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਸਮੂਹਾਂ ਦੇ ਪੂਰਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਮੁੱਦੇ ਨੂੰ ਸੁਲਝਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਸਹਾਇਕ ਬਣੇ ਸੀਆਈਆਈ ਨੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਸਮੂਹਾਂ 350 ਇਨਸਾਇਟ ਮਸ਼ੀਨਾ ਦਿਤਿਆਂ ਜਿਸ ਵਿਚ 100 ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਹੈਪੀ ਸੀਡਰ, ਜੀਰੋ ਟਿਲ, ਮੁਲਚਰ ਆਦਿ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ । ਇਹ ਮਸ਼ੀਨਾ ਛੌਟੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਮਾਮੂਲੀ ਕਿਰਾਏ ਤੇ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ । ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਉਪਲੱਬਧ ਕਰਵਾਉਣ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਪਰਾਲੀ ਦੀ ਤਕਨੀਕੀ ਹੈਂਡ ਹੋਲਡਿੰਗ ਦੇ ਸੰਬੰਧੀ ਸਤਰ ਵੀ ਆਯੋਜਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ । ਇਨਾਂ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਿਲਾ ਪਟਿਆਲਾ ਵਿਖੇ ਭੈਰਵਾਲ, ਖੋਖ, ਜੱਸੋ, ਮਜਰਾਂਡ ਮੁੰਗੂ ਅਤੇ ਜਿਲਾ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਖੇ ਬੁਜਰ

## पराली न जलाने से 80 हजार एकड़ भूमि बचाई

#### सीआईआई के प्रयासों ने पंजाब और हरियाणा के 102 गावों में चलाया अभियान

चंडीगढ़, (आपका फैसला)। नाण, सीआईआई (कोनफेटरेशन ऑफ इंडियन इंक्ट्रेज) ने किसतों को मदर कर पंचाब हैं इंक्ट्रेज) ने किसतों को मदर कर पंचाब हैं एक ऑफ्यान चला कर उन्हें इसके अन्य विकल्प प्रतान के प्रति जारफक किया हैं इस जारी ऑफ्यान के चलते जारफक किया हैं इस जारी ऑफ्यान के चलते जोज़ेड़ चुका है और एक लाख एकड़ धूमि को पाशती जलायों जाने से मुक्क करने कर प्रकार में स्वता है मोर्की करने का नामालय एकड़ भूमि को पराली जलाये जाने से मुक्त करने के प्रयास में जुटा हुआ है। सीआईआई का लगातार यह दूसरा वर्ष तक चलाया जा रहा अभियान है और 80 फीसदी किसान ने अपने खेतों को पराली जलाने से मुक्त कर दिया है। सीआईआई के इस राभियान में विभिन्न सरकारी संगठनों, कॉरपोरेट भेपावा में विधीन संस्कारी संगठी के अंति अंति किसानों के ममुहों ने भरसक साथ दिवा है और क्लित मुंदे को सुरखाने में साथक को हैं। इस दिवा में प्रचासत सीआईआई फउड़ेशन के प्रोजेक्ट मेंजेज कुलदीय सेंगर ने बताया कि सीआईआई ने किसानों के साथों के साथ मिलक कमा किया है और उन्हें 35.0 इन साईट्र मार्शिने प्रवान की है, जिसमें 100 गांधों को हैंग्यों सीड़ा, कोट किसानों को मान्ति किराए पर पतन को गई हैं। किसानों को मान्ति किराए पर पतन को गई हैं। किसानों को कनीको हैं हैं होंग्यों के गुर सिखाने संबंधी सत्र भी आयोंकित करवाए गए। भीआईआई ने जंबाब कृषि बिबर्खालय, हिस्सर, कृषि और किसान करनाय विधान के जिस्सा कृषि बिसर्खालय, हिस्सर,

कार्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग द्वारा इन फोल्ड ट्रेमिंन आयोजित की और मास्टर ट्रेमर्स का एक दस्ता तैयार कर इन किसानों को अपनाय है। इन ट्रेमर्स, किसानों के समूखें और गांव स्टार पर शासिंट्यमं ने पराली न जलाने के अभियान को बहुत महत्यपूर्ण संद्यागिय है। मीजाड जाई को हम पहल में सीधीयां हम्मा स्टाप्ट बीपीसीएल, ओएनजीसी,

इनकोल्ड, सोएलपा डोडवा, पोटीसी इंडिया, कमिस, रोज्यु पावर एंड इंडस्ट्री बोडी, सोसाईटी ऑफ डॉडवन ऑटोमोबाईल मैन्युफेकरर्स ने अपना सोएकशा और अपने कर्मचारियों के बोडकर पूर्ण सहयोग दिवा है। विद्याधियों, युवाओं और कॉरपोरेट बालिटियर्स ने गांवों में रीलयां, और करिएसेट व्यक्तिट्याने न गांवी में पिनयां, नुबाइ नयत्त हुन दुर बार्चा आंखीत्र कर इस अधिपान को और अधिक मनवृत्त बनाया है। भरेल्ड समृद्ध चैसे आंखीड़ीएनवींग्रन्स फरडेड्रान, रायकोट और डक्टर्स चंद्र यू ने सीआईडाई के प्रयास को बर्मानी स्तर पर लागू कर असम भृष्टिका निभाई है। इस गांवी ने सहारांचा परिचाम दिखाये हैं जिसमों उन्होंने अपने 90 फरीसारी से अधिक स्वीत को पराली जलाने से मुक रखा हैं। इस गांवी में विला परियाला शिक्ष रिवाल कोंग्रंड



पायलट प्रोजेक्ट के तहत पंजाब के 19 गांवों की 16 हजार एकड़ भूमि के लिए तीन हजार किसानों के लिए अपना यह अभियान शुरु किया था। वर्ष 2018 में 80 फीसटी किसानों ने पराली न जलाने 2015 म 50 प्रसद्धा किसता न परणा न जलान के विकल्प के चूना और 12 हजार एकड़ भूमि वर्ष पराली जलाने से मुक्त रखा गया, जबिक वर्ष 2017 में यह ऑकड़ 500 एकड़ था। पहली बार इन किसानों ने पराली न जलाने के वैत्किपिक तकनीकों का चयन किया।

# पराली न जलाने के प्रति प्रदेश के किसान सजग

👝 सी.आई.आई. ने पराली प्रबंधन के लिए पंजाब और हरियाणा के 102 गांवों में चलाया अभियान

नाभा, 5 दिसंबर (बांगा) : प्रदेश के किसान अब पराली प्रबंधन को लेकर काफी सजग है, जिसका उदाहरण गांव ढिंगी में देखने को मिला। सी.आई.आई. (कन्फैडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज) ने सरकार के विभिन्न विभागों के सहयोग से पंजाब सहित हरियाणा के 102 गांवों में पराली प्रबंधन के प्रति एक अधिवान चलाकर किसानों को जागरूक किया है। गत वर्ष सी.आई.आई. इस अधियान को शुरू किया षा और अब तक 20 हजार किसानों को जोड़ चुका है, जबकि सी.आई.आई. ने एक लाख एकड़ भूमि को पराली जलाने से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारण किया है।

प्रबंधन पर किसानों के समूहों के साथ दर से उपलब्ध करवाई जाती हैं। बी.पी.सी.एल.,



सीआईआई द्वारा पराली प्रबंधन के लिए पंजाब और हरियाणा के 102 गांवों में चलाए

मिलकर काम कर रहे हैं और गांवों की सी.आई.आई. ने पंजाब कपि विश्वविद्यालय करन को लक्ष्य ान्धारण किया है।
अभियान में विभिन्न सरकारी संगठनी, जुल्केक कोअधिटित सोसायटी में 5 से 6
कॉपिंटि और किसानों के समूहों ने भरसक लाख रुपए तक की कृषि मशीनों इन साइट् साब दिया है और ज्वलंत मुद्दे को सुलझाने मशीनें, हैंण्यों सीडर, जीरी डिल, मल्चर में सहारक बने हैं। इस दिशा में प्रवासरत आदि दी गई हैं, जीक अब कोऑफिंटिव सी.आई.आई. फाउंडें शन के प्रोजैक्ट सोसायटी की ही संपत्ति हैं। ये मशीनें ख्रेटें मैनेकर कुलदीप संगर ने बताया कि पराली किसानों को मात्र 100 रुपए प्रवि धेटें की

लुधियाना और किसान कल्याण विभाग के जिला कृषि कार्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग द्वारा फील्ड ट्रेनिंग आयोजित की और मास्टर ट्रेनर्स का एक दस्ता तैयार कर किसानों को अपनाया है।

की पहल में पराली प्रबंधन बिरला

ओ.एन.जी.सी., रॉयल इनफील्ड, सी.एल.पी. इंडिया, पी.टी.सी. इंडिया, कमिंस, रिन्यू पावर एंड इंडस्ट्री बॉडी, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स ने अपने सी.एस.आर. और अपने कर्मचारियों को जोड़ कर पूर्ण सहयोग दिया है। इन गांवों ने सहारनीय परिणाम दिखाए हैं जिसमें उन्होंने अपने 90 फीसदी से अधिक खेतों में सकुशल पराली प्रबंधन रहा है। इन गांवों में जिला पटियाला स्थित ढोंगी, भैरवाल, खोख, जस्सो माजरा, मुंगु और जिला लुधियाना स्थित बुजं हिकमा और हलवारा शामिल है। इस अवसर पर ढोंगी गांव के सरपंच बलविदर सिंह, को ऑप्रेटिव सोसायटी के सचिव रक्खा राम, सी.आई.आई. फाऊंडेशन की संचार अधिकारी नेहा यादव, फील्ड कोर्डीनेटर हितेष गोवल, डाक्टर्स फार वू के प्रोग्राम मैनेजर अजहर खान, सोसायटी कार्डीनेटर कुलदीप सिंह, जगतार सिंह व अन्य किसानों ने भी पराली प्रबंधन पर विचार रखे।

## सीआईआई ने पराली प्रबंधन के लिये पंजाब-हरियाणा के 102 गावों में चलाया अभियान

भास्कर संवाददाता नाभा

प्रोग्रेसिव किसान अब पराली प्रबंधन को लेकर काफी सजग हैं। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्टीज ने पंजाब सरकार के विभागों के सहयोग से पंजाब सहित हरियाणा के 102 गांवों में पराली चलाकर किसानों को जागरूक किया है। फाउंडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सेंगर ने बताया कि पराली प्रबंधन पर किसानों के समुहों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। छोटे



किसानों को सौ रुपये प्रति घंटे की दर से मशीन मुहैया कराई जाती है। जिन गांवों में पराली प्रबंधन हो रहा प्रबंधन के प्रति एक अभियान है, उनमें ढिंगी, भोगीवाल, खोख, जस्सो माजरा और मुंगों शामिल हैं। यहां सरपंच बलविंदर सिंह, रक्खा राम, नेहा यादव, हितेष गोयल, अजहर खान, कुलदीप सिंह, जगतार सिंह मौजद रहे।

## 'Punjab misleading on stubble burning, SYL'

ਪਰਾਲੀ ਪ੍ਰਬਧੰਨ ਦੇ ਨਾਲ

ਸੀਆਈਆਈ ਭੂਮੀ

ਬਚਾਉਣ ਨੂੰ ਪਰਿਆਸਰਤ

ਨਾਭਾ • ਆਵਾਜ਼ ਬਿੳਰੋ

ਸੀਆਈਆਈ ਵਾਉਂਡੇਸ਼ਨ ਨੇ

ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਹਰਿਆਣਾ ਦੇ 102 ਪਿੰਡਾਂ

ਰਾਜ ਸਰਕਾਰਾਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ

ਵਿਚ ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਨਾ ਜਲਾਉਣ ਦਾ

ਇਕ ਅਭਿਆਨ ਚਲਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ

ਇਸਦਾ ਹੋਰ ਵਿਕਲਪ ਪਦਾਨ ਕਰ

ਢਿੰਗੀ ਪਿੰਡ ਦੇ ਨਾਲ ਨਾਲ ਸੀਆਈਆਈ ਅਪਣੇ ਨਾਲ ਵੀਹ ਹਜਾਰ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜੋੜ ਚੁਕਿਆ ਹੈ ਅਤੇ ਇਕ ਲੱਖ ਏਕੜ ਭਮਿ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਜਲਾਏ ਜਾਣ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਕਰਣ ਦੇ

ਜਾਗਰਕਤਾ ਪੈਦਾ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਨਾਭਾ ਦੇ

ਪਰਿਆਸ ਵਿਚ ਜਟਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਸੀਆਈਆਈ ਦਾ ਇਹ ਲਗਾਤਾਰ ਦਜੇ

ਹੈ। ਸੀਆਈਆਈ ਨੇ ਇਸ ਅਭਿਆਨ ਹੇਠ ਵੱਖ ਵੱਖ ਸਰਕਾਰੀ ਸੰਗਠਨਾਂ,

ਕਾਰਪੋਰੇਟ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਸਮੂਹਾਂ ਦੇ

ਪਰਾ ਸਹਿਯੋਗ ਦਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਮੁੱਦੇ

ਨੂੰ ਸੁਲਝਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਸਹਾਇਕ ਬਣੇ।

ਸਾਲ ਦਾ ਅਭਿਆਨ ਹੈ ਅਤੇ 80 ਫੀਸਦੀ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਅਪਣੇ ਖੇਤਾਂ ਨੂੰ ਪਰਾਲੀ ਜਲਾਉਣ ਤੋਂ ਮਕਤ ਕਰ ਦਿਤਾ

Chandigarh: Haryana chief minister Manohar Lal Khattar said that even though the Supreme Court (SC) has given its decision on the Satluj-Yamuna Link (SYL) matter in Haryana's favour, Punjab was still misleading the country by targeting Haryana on the issue and blaming it for the increasing pollution. Khattar made the state

ment while presiding over a review meeting on the SYL issue here on Thursday. The chief minister was informed that the chief secretaries of Punjab and Haryana will hold a meeting with the Central Water Secretary in New Delhi on December 6. He was also told that the Supreme Court will also probably give its final verdict on on the Sat lui-Yamuna Link issue on Ja-

Khattar directed the officials to immediately prepare a list of all issues, whether bigor small, with Punjab and other neighbouring states such as Himachal Pradesh (HP), Uttarakhand, Uttar Pradesh (UP), Rajasthan and Delhi. He said he would raise these issues during his meeting with the chief minister of Uttar Pradesh on December. 14, 2019.



CII claimed that over 102 villages in Punjab and Haryana this year went stubble burning free

#### 56 Nabha villages quit stubble burning: CII

Confederation of Indian Industry (CII) Foundation on Thursday claimed that with a section of farmers having adopted an alternative technology to stubble burning, over 102 villages in Punjab and Haryana this year went stubble burning free. The project, once implemented, helped 80% of the adopted farmland to be stubble free. Of the total villages, 56 were from Nabha belt alone. Kuldeep Sengar, programme manager, over 20,000 farmers were engaged in the project covering 1 lakh acres of farmland.

सीआइआइ ने पंजाब और हरियाणा के 102 गांवों में चलाया अभियान, अन्य विकल्प के लिए किया जागरूक

## पराली न जलाने से 80 हजार एकड़ भूमि बचाई

जेएनएन, नाभा : कंफरडेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआइआइ) फांउडेशन ने पराली ना जलाने के लिए गांव ढींगी समेत कई गांवों में किसानों को जागरूक किया। प्रोजेक्ट मैनेजर कलदीप सैंगर ने कहा की सीआइआइ ने किसानों की मदद कर पंजाब और हरियाणा के 102 गांवों में पराली न जलाने का एक अभियान चलाकर उन्हें इसके अन्य विकल्प देने के प्रति जागरूक किया है। इस अभियान में सीआइआइ अपने साथ बीस हजार किसानों को जोड़ चुका है और एक लाख एकड़ भूमि को पराली जलाने से मुक्त करने के प्रवास में जुटा

हुआ है । सीआइआइ का लगातार यह दूसरा वर्ष तक चलाया जा रहा अभियान है और



नाभा के गांव ढीगी में किसानों को संबोधित करते हुए प्रोजेवट मैनेजर कुलदीप सँगर 🏽 जागरण 80 फीसद किसानों ने खेतों को पराली न जलाने से मुक्त कर दिया है। फाउंडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सैंगर ने बताया कि किसानों के समूहों से मिलकर

हैं। यह मशीनें छोटे किसानों को मामली

काम किया है और उन्हें 350 मशीनें प्रदान की हैं, जिसमें 100 गांवों को हैपी सीडर, जीरो ट्रिल, मूलचर आदि दिए गए

किराए पर प्रदान की गई हैं। किसानों को पराली की तकनीकी हैंड होल्डिंग के गुर

सिखाने के सत्र आयोजित किए गए। सीआइआइ ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार, कृषि और किसान कल्याण विभाग के जिला कृषि कार्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग

इन ट्रेनर्स, किसानों के समूहों और गांव स्तर पर वालंटियरों ने पराली न जलाने के अभियान को महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। विद्यार्थियों, युवाओं और कारपोरेट वालंटियरों ने इस अभियान को ओर अधिक मजबूत बनाया है। जिला पटियाला स्थित भैरवाल, खोख, जस्सोमाजरा, मूंगों और जिला लुधियाना स्थित बुर्ज हकीमा और हलवारा में 90 फीसद से अधिक खेतों को पराली जलाने से मुक्त रखा है। सीआइआइ ने 2018 में अपने पायलट प्रोजेक्ट के तहत पंजाब के 19 गांवों की 16 हजार एकड़ भूमि के लिए तीन हजार किसानों के लिए अपना यह अभियान शुरू किया था।

से इन फील्ड ट्रेनिंग दी और मास्टर ट्रेनर्स

का एक दस्ता तैयार किया।

# सीआईआई के प्रयासों ने पराली न जलाने से 80 हजार एकड़ भूमि बचाई, पंजाब-हरियाणा के 102 गांवों में अभियान चलाया



प्रास्ट मीडिया

नाभा, विनोद कुमार। सीआईआई (कोनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज) ने किसानों की मदद कर पंजाब और हरियाणा के 102 गांवों में पराली को न जलाने का एक अभियान चला कर उन्हें इसके अन्य विकल्प प्रदान के प्रति जागरूक किया है। इस जारी अभियान के चलते सीआईआई अपने साथ बीस हजार किसानों को जोड़ चुका है और एक लाख एकड भूमि को पराली जलाये जाने से मुक्त करने के प्रयास में जुटा हुआ है। सीआईआई का लगातार यह दसरा वर्ष तक चलाया जा रहा अभियान है और 80 फीसदी किसान

ने अपने खेता को पराली न जलाने से मुक्त कर दिया है। सीआईआई के इस अभियान में विभिन्न सरकारी संगठनों. कॉरपोरेट और किसानों के समुहों ने भरसक साथ दिया है और ज्वलंत मुद्दे को सुलझाने में सहायक बने हैं। इस दिशा में प्रयासरत सीआईआई फाउडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सेंगर ने बताया कि सीआईआई ने किसानों के समृहों के साथ मिलकर काम किया है और उन्हें 350 इन साइंट्र मशीनें प्रदान की है जिसमें 100 गांवों को हैप्पी सीडर, जीरो टिल, मुलचर आदि दी गई हैं। यह मशीनें छोटे किसानों को मामली किराये पर प्रदान की गई हैं। किसानों को मशीनें उपलब्ध



करवाने के साथ साथ पराली की तकनीकी हैंड होल्डिंग के गुर सिखाने संबंधी सत्र भी आयोजित करवाये गये। सीआईआई ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि और किसान कल्याण विभाग के जिला कृषि कार्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग द्वारा इन फील्ड ट्रेनिंग आयोजित की और मास्टर ट्रेनर्स का एक दस्ता तैयार कर इन किसानों को अपनाया है। इन ट्रेनसं, किसानों के समुहों और गांव स्तर पर वालिंटियर्स ने पराली न जलाने के अभियान को बहुत महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। सीआईआई की इस पहल में बीपीसीएल, बिख्ता सॉफ्ट,

ओएनजीसी, सीएलपी इंडिया, पीटीसी इंडिया, कमिंस, रीन्य पावर एंड इंडस्ट्री सोसाईटी ऑफ इंडियन बोडी ऑटोमोबाईल मैन्यूफैक्चरर्स ने अपना सीएसआर और अपने कर्मचारियों को जोड़ कर पूर्ण सहयोग दिया है। विद्यार्थियों, यवाओं और कॉरपोरेट वालिंटियर्स ने गांवों में रैलियां, नुक्कड़ नाटक, डूर टू डूर वार्ता आयोजित कर इस अभियान को ओर अधिक मजबूत बनाया है। फील्ड समृह जैसे जीबीडीएनजीएनएस फाउंडेशन, रायकोट और डाक्टर्स फॉर यू ने सीआईआई के प्रयास को जमीनी स्तर पर लागू कर अहम भूमिका

परिणाम दिखाये हैं जिसमें उन्होंनें अपने 90 फीसदी से अधिक खेतों को पराली जलाने से मुक्त रखा है। इन गांवों में जिला पटियाला स्थित भैरवाल, खोख, जस्सो, मजरांड मुंगु और जिला लुधियाना स्थित बुर्ज हिकमा और हलवारा शामिल है। सीसीआई अपने अभियान के तहत अगामी सालों में इन किसानों में पराली न जलाने के प्रति जागरक करती रहेगी। सीआईआई ने 2018 में अपने पायलट प्रोजेक्ट के तहत पंजाब के 19 गांवों की 16 हजार एकड़ भूमि के लिये तीन हजार किसानों के लिये अपना यह अभियान शुरु किया था। वर्ष 2018 में 80 फीसदी किसानों ने पराली न जलाने के विकल्प को चुना और 12 हजार एकड़ भूमि वर्ष पराली जलाने से मुक्त रखा गया जबकि वर्ष 2017 में यह आंकड़ा 500 एकड़ था। पहली बार इन किसानों ने पराली न जलाने के वैल्किपिक तकनीकों का

# ਸੀ. ਆਈ. ਆਈ. ਨੇ ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਸਾੜਨ ਲਈ 102 ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਕੀਤਾ ਅਡਾਪਟ

ਨਾਭਾ, 6 ਦਸੰਬਰ (ਜੈਨ)-ਪਿੰਡ ਢੀਂਗੀ ਵਿਖੇ ਕਨਫੈੱਡਰੇਸ਼ਨ ਆਫ ਇੰਡੀਅਨ ਇੰਡਸਟਰੀਜ਼ (ਸੀ. ਆਈ. ਆਈ.) ਵੱਲੋਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ ਲਈ ਸੈਮੀਨਾਰ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਵਿਚ ਸੀ. ਆਈ. ਆਈ. ਫਾਊਂਡੇਸ਼ਨ ਦੇ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਮੈਨੇਜਰ ਰਾਕੇਸ਼ ਸੰਗਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲੋਂ 102 ਪਿੰਡ ਅਡਾਪਟ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਪਟਿਆਲਾ ਜ਼ਿਲੇ ਵਿਚ 56 ਪਿੰਡ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ।

ਫਾਊਂਡੇਸ਼ਨ ਵੱਲੋਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ 350 ਇਕਸਾਈਟ ਮਸ਼ੀਨ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਛੋਟੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਮਾਮੂਲੀ ਕਿਰਾਏ 'ਤੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਇੰਜ ਸੰਸਥਾ ਦੇ ਯਤਨਾਂ ਨਾਲ 80 ਹਜ਼ਾਰ ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਅੱਗ ਲੱਗਣ ਤੋਂ ਬਚਾਈ ਗਈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਕਿਸਾਨ ਸੁਖਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮੈਂ 12 ਏਕੜ ਜ਼ਮੀਨ ਵਿਚ ਪਰਾਲੀ



ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਵਿਚਾਰ-ਵਟਾਂਦਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਰਾਕੇਸ਼ ਸੰਗਰ। 🖮

ਨੂੰ ਅੱਗ ਨਹੀਂ ਲਾਈ। ਜਗਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਨੂਰ ਮੁਹੰਮਦ ਅਤੇ ਰਾਮ ਲਾਲ ਆਦਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੇ ਤਜਰਬੇ ਸਾਂਝੇ ਕੀਤੇ।ਇਸ ਮੌਕੇ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਕਿਸਾਨ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।ਇਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਅਧੀਨ ਤਿੰਨ ਹਜ਼ਾਰ ਤੋਂ ਵੱਧ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰ ਕੇ ਜਾਗ੍ਤੀ ਪੈਦਾ ਕੀਤੀ ਗਈ।ਇਸ ਦੇ ਚੈਗੇ ਸਿੱਟੇ

ਨਿਕਲੇ ਹਨ।ਇਸ ਮੌਕੇ ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬਿੱਟੂ ਢੀਂਗੀ ਮੂੰ (ਸਰਪੰਚ), ਰੱਖਾ ਰਾਮ, ਸੰਚਾਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨੇਹਾ ਵਿ ਯਾਦਵ (ਦਿੱਲੀ), ਫੀਲਡ ਕੋਆਡਰੀਨੇਟਰ ਰਿਤੇਸ਼ 'ਵ ਗੋਇਲ,ਅਜ਼ਹਰ ਖਾਨ,ਅਮਿਤ ਅਤੇ ਸੁਦੀਮ ਰਾਵਤ ਵਿ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪਿੰਡਾਂ ਦੇ ਪੰਚ-ਸਰਪੰਚ ਅਤੇ ਅ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸਭਾਵਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।